

2024



यज्ञवती आज पेश हुई। उभय पक्ष अभिवादन उपस्थित। उभय पक्ष वकील की प्रार्थना-पत्र द्वारा 212 पर बरस सुनी गयी। वकील प्रार्थी ने अपनी बरस में निवेदन किया कि प्रार्थी गरा बंधाड़े का दावा किया गया है। वादग्रस्त आराजी पैतृक आराजी है जिस पर प्रार्थी काबिज काबत है। प्रार्थी को वैननामा डिनांक 29.07.2019 की पूर्व में जानकारी नहीं थी। इस वैननामा की आह में अप्रार्थी स 2 व 3 प्रार्थी को जबरन उसकी आराजी से बेइज्जत कर कत्ता करना चाहते हैं। उक्त वैननामा प्रार्थी के 1/15 हिस्से तक बेअसर है। अप्रार्थीगण को अपने हिस्से से अधिक आराजी का बेचाम करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यदि अप्रार्थीगण जबरन प्रार्थी को उसकी रुझे काबत की आराजी से उसे बेइज्जत कर देंगे तो प्रार्थी को अपूरणीय झति होगी। उपम हुस्ट्या मामला भी प्रार्थी के पक्ष में सिट होता है तथा सुविधा का संतुलन भी प्रार्थी के पक्ष में है। अतः प्रार्थी के प्रार्थना-पत्र को स्वीकार कर पूर्व में जारी अस्थायी निवेदात्ता को मूल वाद के निस्तारण तक कन्फर्म किया जावे। वकील अप्रार्थीगण ने अपनी बरस में निवेदन किया कि वादग्रस्त आराजी का बेचाम वर्ष 2019 में किया गया जबकि दावा वर्ष 2024 में लाया गया। प्रार्थी व अप्रार्थीगण एक ही परिवार के सदस्य हैं। वादग्रस्त आराजी के बेचाम एवं नामान्तकण की प्रार्थी को जानकारी थी। किसी भी खातेदार काबतकार को कानूनी रूप से अपनी बरेषु जकरतों हेतु झमि बेचाम करने का अधिकार है। वैननामा विधिक रूप से सही है। प्रार्थी का वादग्रस्त आराजी पर कत्ता भी नहीं है। उक्त आराजी पैतृकना होकर प्रार्थी की स्वर्जित आराजी है। प्रार्थी को रजिस्टर्ड वैननामा से खरीदशुदा भूमि पर स्टे लेने को कोई अधिकार नहीं है। नामान्तकण नहीं होने से अप्रार्थीगण को अपूरणीय झति हो रही है। प्रार्थी मौके पर काबिज नहीं है जिससे उपम हुस्ट्या

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
-------------	------------------------------------

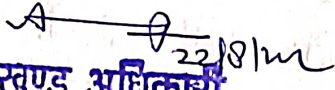
नं
अंक
की तो



मामला प्रर्षी के पत्र में सिटू नही होता है। अतः प्रर्षी को प्रर्षना-पत्र को शारी छत्रि के खारिज करमाया जावे ।

हमने उभय पक्ष अभिभाषक की बहस पर मजन किया एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया। उभय पक्ष अभिभाषक बहस एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर अस्थायी निवेद्याता के तीनों विद्व प्रथम दुस्त्या मामला, सुविधा का संतुलन एवं अपूर्णीय शक्ति प्रर्षी के पत्र में सिटू ५ होने के कारण प्रर्षी का प्रर्षना-पत्र अंतर्गत द्वारा २१२ राजस्थान काश्तकारी अधिनियम १९५५ का स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है तथा मूल वाड के निस्तारण तक पूर्व में जारी अस्थायी निवेद्याता को कन्फर्म किया जाता है। पत्रावली कैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम होकर वाड तकमील राखिल हुक्तर हो।

निर्णय आज दिनांक २२.०८.२०२४ को मेरे द्वारा लिखा जाकर सरे-इजलास में सुनाया गया।


 उपखण्ड अधिकारी
 कठूमर (अलवर)